अबाउट ऑफ पंकज [About Of Pankaj]

मैं पंकज मोदक, जो चन्दाहा गांव में रहता है। यह गांव, बोकारो जिले में स्थित है। वर्ष 2005 में, मेरा छट्ठे पुत्र के रूप में जन्म हुआ। मेरे पिताजी- शंकर मोदक और माताजी- ललित देवी है। मेरे दो बड़े भाई और एक बड़ी बहन है। ऐसा इसलिए क्योंकि मेरी माताजी के पहले दो बच्चे, किसी गंभीर बीमारी के कारण मृत्यु को प्राप्त हो गए थे। बचपन से, मैं काफी झगड़ालू, आक्रामक और गुस्सेल था। जिसके कारण, मुझे कई बार डांट पड़ती। अच्छी बात यह थी कि गलती करने पर, माता-पिता डांटते थे, परंतु कभी हाथ नहीं उठाते थे। मुझे बचपन से ही कहानियां पढ़ना काफी पसंद है। वर्ष 2019 तक। जीवन में बीते, कुछ घटनाओं से, कई परिवर्तन आए। जैसे- शांत स्वभाव, लड़ाई-झगड़ों से दूरी। वर्ष 2010 से वर्ष 2021 तक के खराब जीवन शैली की वजह से। मुझे मोटापा हो गया था, शरीर के कई हिस्सों में अलग-अलग आकृतियां उभर आई थी, मेरे दिमाग में ट्यूमर पनप आया था। वर्ष 2022 में, मैंने शाकाहार अपना लिया। कहानियां लिखने और पढ़ने में दिलचस्पी थी। इसलिए मैंने अपनी पहली लघु कहानी प्रकाशित की। वर्ष 2023 में, इंटरमीडिएट की परीक्षा में, मैं दो बार असफल हुआ। थोड़ा उदास हुआ। परंतु फिर भी कहानियों में डूबा रहा, अपनी साइकिल से यात्रा करने लगा, स्वादिष्ट खाद्य पदार्थ का सेवन करने लगा और जीवन का आनंद लेने लगा। वर्ष 2024 में, मैंने अपनी पहली लघु कहानियों से संकलित पुस्तक प्रकाशित की। वर्ष 2013 से वर्ष 2025 तक, मैंने 200 से अधिक कहानियां और प्रेमचंद द्वारा लिखित मानसरोवर की छः पुस्तकें पढ़ डाली। मेरे द्वारा लिखित और प्रकाशित पुस्तकें:- “पंकज एस शॉर्ट स्टोरीज” , “पंकज एस चाइल्डहुड” और “ज्ञाश्रन”। [I am Pankaj Modak, who lives in Chandaha village. This village is located in Bokaro district. In the year 2005, I was born as the sixth son. My father is Shankar Modak and mother is Lalita Devi. I have two elder brothers and an elder sister. This is because my mother's first two children died due to some serious illness. Since childhood, I was quite quarrelsome, aggressive and short-tempered. Due to which, I used to get scolded many times. The good thing was that when I made a mistake, my parents used to scold me, but never raised their hands. I have loved reading stories since childhood. Till the year 2019. Due to some incidents in life, many changes came. Like- calm nature, distance from fights. Due to bad lifestyle from the year 2010 to the year 2021. I became obese, different shapes emerged in many parts of the body, tumors developed in my brain. In the year 2022, I adopted vegetarianism. I was interested in writing and reading stories. So I published my first short story. In the year 2023, in the intermediate examination, I failed twice. I was a little sad. But still I immersed myself in stories, started traveling on my bicycle, ate delicious food and started enjoying life. In the year 2024, I published my first book compiled of short stories. From the year 2013 to the year 2025, I read more than 200 stories and six books of Manasarovar written by Premchand. Books written and published by me:- “Pankaj’s Short Stories”, “Pankaj’s Childhood” and “Gyashran”.]

सबसे बड़ा सपना “जिंदगी का आनंद लेना वाला” होना चाहिए। क्योंकि बाद में पछतावा न हो कि मैं जिंदगी का आनंद नहीं ले पाया। [The biggest dream should be to “Life enjoyer”. So that later one does not regret that he could not enjoy life.]